International Journal of Humanities and Social Science Invention (IJHSSI)
ISSN (Online): 2319 – 7722, ISSN (Print): 2319 – 7714
www.ijhssi.org ||Volume 13 Issue 5 || May 2024 || PP. 142-150

राजस्थान के टोंक जिले में हिंसक अपराधों का स्थानिक वितरण (2011-2022)

डॉ. संध्या पठानिया[1],रामअवतार जाट[2*]

[1]आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग, राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान
E-mail : drspathania@gmail.com
[2]शोध छात्र, भूगोल विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान
E-mail : jat2013bhu@gmail.com
** Corresponding Author*

अपराधों के स्थानिक वितरण का अध्ययन अपराध भूगोल की एक महत्त्वपूर्ण विषयवस्तु है।यह शोध पत्र राजस्थान के टोंक जिले में हिंसक अपराधों के स्थानिक वितरण के विश्लेषण के परिणामों को प्रस्तुत करता है। पिछले 12 वर्षों (2011-2022) के दौरान जिले के प्रत्येक थाने में अध्ययन के लिए चयनित अपराध श्रेणियों (बलात्कार, चोट और व्यपहरण एवं अपहरण) से संबंधित पंजीकृत मामलों का संकलन पुलिस अधीक्षक कार्यालय, टोंक की अपराध शाखा से किया गया है। हिंसक अपराधों (ऐसी घटनाएँ जिनमें किसी व्यक्ति के लिए सीधे खतरे के तत्त्व हो) का चयन कुल आईपीसी अपराधों में इनके अधिक योगदान एवं इनमें वृद्धि की चिंताजनक प्रवृत्ति को ध्यान में रखते हुए किया गया है। अपराधों का स्थानिक मानचित्रण जीआईएस सॉफ्टवेयर (Arc GIS 10.4) के माध्यम से किया गया है। शहरी क्षेत्र को कवर करने वाले एवं राष्ट्रीय राजमार्ग-12 और बनास नदी के सहारे स्थित थानों में हिंसक अपराधों की अधिक घटनाएँ जबकि ग्रामीण और सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थित थानों में अपेक्षाकृत कम घटनाएँ पायी गयी। इस प्रकार प्रस्तुत शोध के परिणामहिंसक अपराधों केवितरण में स्थानिक भिन्नता को स्पष्ट करते है।

मुख्य शब्द: हिंसक अपराध, स्थानिक वितरण, बलात्कार, जीआईएस, राजस्थान।

परिचय

अपराध का तात्पर्य उन गैरकानूनी गतिविधियों से है जो एक विशिष्ट क्षेत्राधिकार के भीतर स्थापित कानूनों और विनियमों का उल्लंघन करती हैं। भूगोल में अपराध के अध्ययन में स्थानिक प्रतिरूपों और अपराधिक गतिविधियों के वितरण का विश्लेषण शामिल है। अपराध का स्थानिक वितरण व्यापक रूप से भिन्न होता है और प्राकृतिक कारको (उच्चावच, वन, नदी) तथा जनसंख्याएवंसामाजिक-आर्थिक स्थितियों जैसे कारकों से प्रभावित होता है। अपराधों के वितरण में स्थानिक भिन्नता को समझने और मानचित्रण के लिए भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) का उपयोग किया जाता है। अपराध मानचित्रों का विश्लेषण करने से प्रतिरूपों की पहचान करने और अपराध की रोकथाम एवं पुलिसिंग के लिएरणनीतियों को सूचित करने में मदद मिल सकती है।अपराध के सामान्य विवरण की तुलना और विशिष्ट अंतर्दृष्टि के लिए भी मानचित्रों का उपयोग किया जा सकता है (Ceccato, 2007; Ceccato & Oberwittler, 2008)।वृहत क्षेत्रीय मापक पर अपराधों का स्थानिक विश्लेषण एवं मानचित्रण कम विश्वनीय होता है क्योंकि अधिक क्षेत्रफल वाले किसी प्रदेशके भीतर अनेक ऐसे क्षेत्र अथवा लघु प्रदेश होते है जहाँ अपराधों का संकेन्द्रण उस विशेष प्रदेश के औसत से कम अथवा अधिक

होता है। इस कारण अपराधों के स्थानिक प्रतिरूपों को अधिक स्पष्टता से समझने के लिए लघु स्तरीय विश्लेषण महत्त्वपूर्ण हो जाता है। इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए इस शोध कार्य में हिंसक अपराधों की चयनित श्रेणियों (बलात्कार, चोट और व्यपहरण एवं अपहरण) का स्थानिक विश्लेषण एवं मानचित्रण थानावर अर्थात् लघु क्षेत्रीय मापक (Micro Area Scale) पर किया गया है।शोध में क्षेत्रीय मापक (Areal Scale) की तरहउचित समय मापक (Time Scale) का चयन भी महत्त्वपूर्ण होता है।प्रत्येक वर्ष प्रत्येक प्रकार की घटना के लिए गतिशीलता अलग-अलग रहती है (Beconyte et al., 2021)। इस प्रकार किसी एक विशेष वर्ष के आधार पर अपराधों के स्थानिक वितरण के परिणाम भ्रामक हो सकते है।एक अन्य विचार के अनुसार अपराधों का कालिक वितरण समय के साथ कमोबेश स्थिर रहता है (Ristea & Leitner,2020)।अत: प्रस्तुत शोध में अपराधों के स्थानिक वितरण का अध्ययन किसी एक विशेष वर्ष के आधार पर न करते हुए कुल 12 वर्षों (2011-2022) के दौरान पंजीकृत मामलो के आधार पर किया गया है।

आँकड़ा एवं विधितंत्र

कुल 12 वर्षों (2011 से 2022) के दौरान टोंक जिले में हिंसक अपराधों की चयनित श्रेणियों बालात्कार, चोरीऔरव्यपहरण एवं अपहरण से संबंधित कुल 16,044 मामले दर्ज हुए। इन घटनाओं से संबंधित थानादार आँकड़ो का संकलन अपराध शाखा, पुलिस अधीक्षक कार्यालय से किया गयाहै।

चयनित अपराध श्रेणियों के स्थानिक वितरण कीदृष्टि से सभी 22 थानों को चार श्रेणियों (बहुत उच्च, उच्च, मध्यम एवं निम्न) में वर्गीकृत करने के लिए परिसर (Range) की गणना की गयी है। मानचित्रण के लिए आवश्यक आधार मानचित्रण(Base Map) पुलिस अधीक्षक कार्यालय, टोंक से लिखा गया तथा स्थानिक प्रतिरूपों कामानचित्रण GIS सॉफ्टवेयर (Arc GIS 10.4) के माध्यम से किया गया।

अध्ययन क्षेत्र

टोंक जिला भारत के पश्चिमी और राजस्थान के उत्तरी-पूर्वी भाग में स्थित है जो कि राजस्थान के अजमेर संभाग के अन्तर्गत आता है। यह राज्य की राजधानी जयपुर से 82 किलोमीटर दूर दक्षिण में स्थित है। इसका अक्षांशीय विस्तार 25°41' उत्तरी अक्षांश से 26°34' उत्तरी अक्षांश तथा देशान्तरीय विस्तार 75°07' पूर्वी देशान्तर से 76°19' पूर्वी देशान्तर के मध्य है। 2011 की जनगणना के अनुसार टोंक जिले का कुल क्षेत्रफल 7194 वर्ग किलोमीटर है जो कि राजस्थान राज्य के कुल क्षेत्रफल का 2.1 प्रतिशत है। क्षेत्रफल की दृष्टि से यह राज्य के कुल 33 जिलों में 18वें स्थान पर आता हैं। टोंक जिले की आकृति पतंगाकार हैं जो कि उत्तर में जयपुर, दक्षिण में बूंदी और भीलवाड़ा, पश्चिम में अजमेर तथा पूर्व में सवाई माधोपुर जिलों से घिरा हुआ है।जनगणना 2011 के अनुसार टोंक जिले की कुल जनसंख्या 1421326 है जिनमें 728136 पुरूष व 693190 महिलाएँ है। जिले की कुल जनसंख्या राजस्थान की कुल जनसंख्या का 2.07 प्रतिशत है। टोंक जिला जनसंख्या की दृष्टि से राज्य में 23वें स्थान पर है। जिले की लगभग 77.6 प्रतिशत जनसंख्या गाँवों में जबकि 22.4 प्रतिशत जनसंख्या शहरों में निवास करती है।

चित्र 1: अध्ययन क्षेत्र - जिला टोंक : अवस्थिति एवं विस्तार

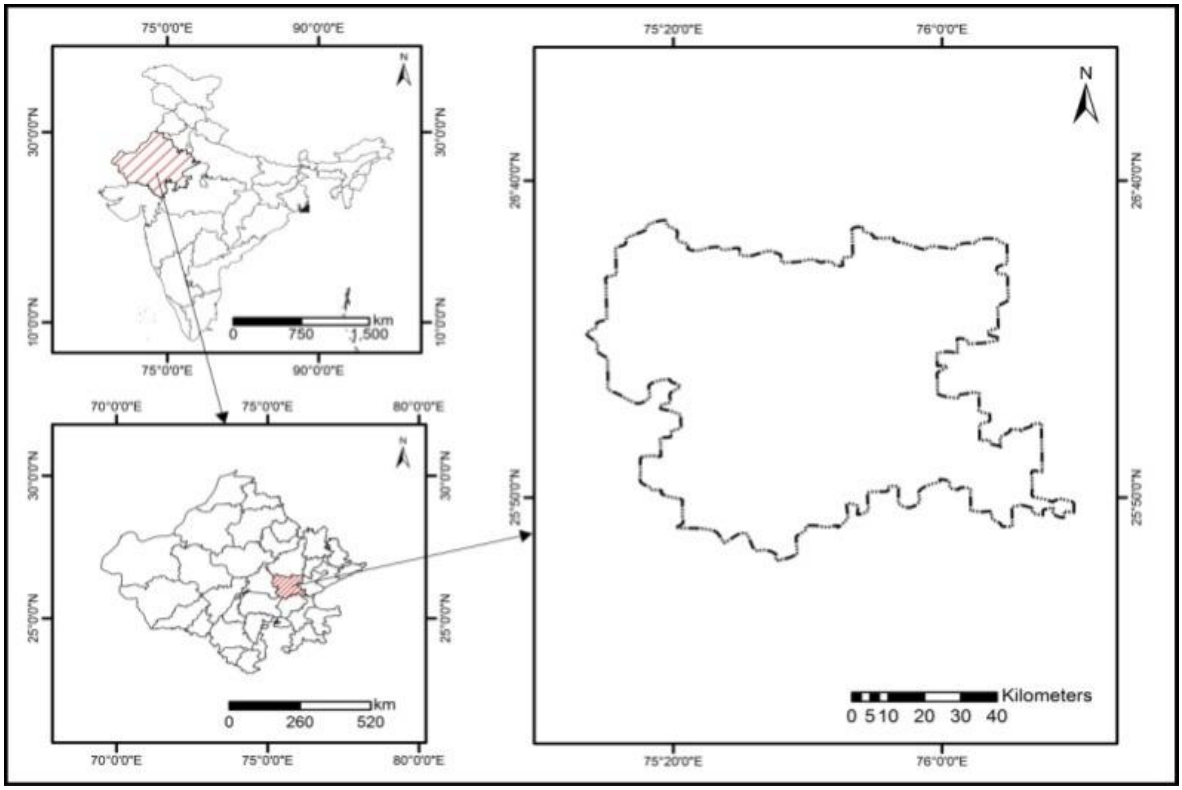

विश्लेषण एवं विवेचना

यह शोध-पत्र हिंसक अपराधों की चयनित श्रेणियों बलात्कार, चोट और व्यपहरण एवं अपहरण के स्थानिक वितरण के विश्लेषण पर केंद्रित है जो इस प्रकार है-

बलात्कार

अध्ययन अवधि 2011-2022 के दौरान टोंक जिले में बलात्कार की कुल 867 घटनाएँ हुयी। इन घटनाओं का थानावार विवरण तालिका संख्या 1 में प्रदर्शित किया गया है।

तालिका 1: टोंक जिले में थानावारबलात्कार की घटनाएँ (2011-2022)

S. No.	Police Station	2011	2012	2013	2014	2015	2016	2017	2018	2019	2020	2021	2022	Total
1	Kotwali Tonk	2	2	2	8	5	3	2	9	14	10	6	10	73
2	Purani Tonk	0	1	1	0	2	2	0	0	8	8	6	5	33
3	TONK Sadar	2	1	3	5	2	1	2	4	7	7	6	10	50
4	Mehandwas	1	0	2	7	1	2	2	7	4	4	7	4	41
5	Niwai	2	4	1	7	1	3	2	7	15	12	8	12	74
6	Niwai Sadar	N/A	N/A	N/A	N/A	N/A	N/A	N/A	0	5	3	2	0	10
7	Datwas	3	0	1	3	2	2	1	3	4	2	0	6	27
8	Baroni	3	2	3	6	0	0	4	6	11	12	9	13	69
9	Peeplu	1	1	0	2	2	2	4	3	9	10	1	4	39
10	Uniara	1	0	0	2	3	1	0	1	3	6	2	4	23
11	Aligarh	1	0	0	3	2	2	1	3	5	1	3	3	24

12	Nagarfort	0	2	2	0	0	0	0	0	5	2	2	4	17
13	Banetha	0	1	3	0	3	1	1	0	1	3	5	6	24
14	Sop	1	2	1	0	0	0	2	0	3	3	4	2	18
15	Deoli	2	0	2	0	1	2	2	0	15	9	7	13	53
16	Dooni	1	0	1	2	4	3	2	2	14	4	5	3	41
17	Ghad	2	1	3	6	1	2	4	7	3	3	3	8	43
18	Malpura	2	1	2	8	2	4	0	6	1	2	5	8	41
19	Todaraisingh	0	0	1	9	1	1	1	8	11	13	10	9	64
20	Lamba	1	0	1	3	0	2	1	4	7	4	2	10	35
21	Diggi	0	1	4	3	1	0	0	2	1	4	5	7	28
22	Pachewar	0	0	0	2	3	2	2	2	6	8	10	5	40
Total		25	2031	2046	2088	2048	2049	2048	2090	2165	2142	2119	2163	827

स्रोत : पुलिस अधीक्षक कार्यालय, टोंक, राजस्थान

बलात्कार के सर्वाधिक मामले कोटवाली टोंक, निवाई, बरोनी व टोडारायसिंह थाना क्षेत्रों में पाये गये। उपरोक्त थानों में बलात्कार की 57 सेअधिक घटनाएँ हुयी जो कि बहुत अधिक (very high) श्रेणी में आते है जबकि थाना क्षेत्र टोंक सदर, मेहंदवास, पीपलू, देवली, दूनी, घाड, मालपुरावपचेवर, बलात्कार की अधिक (High) घटनाओं वाली श्रेणी में आते है। इनमें बलात्कार की घटनाएँ 19 से 57 के बीच पायी गयी (देखे चित्र संख्या 2)। मध्यम श्रेणी में थाना क्षेत्र पुरानी टोंक, दत्तवास, उनियारा, अलीगढ़वबनेठाआते है जिनमें बलात्कार की कुल घटनाएँ 20 से 38 तक पायी गयी। बलात्कार की निम्न घटनाएँ थाना क्षेत्र निवाई सदर, नगरफोर्ट व सोप में पायी गयी। इन क्षेत्रों में बलात्कार के 20 से कम मामले दर्ज हुये। इस प्रकार बलात्कार की घटनाओं में असमान वितरण पाया गया। Dadhich & Jat (2023) व Jat & Dadhich (2024)द्वारा किये गये अन्य अध्ययनों में भी बलात्कार के स्थानिक वितरण में असमानता पायी गयी। शहरी क्षेत्रों, राष्ट्रीय राजमार्ग-12 और बनास नदी के सहारे स्थित थानों में बलात्कार की अधिक घटनाएँ जबकि सीमावर्ती एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित थानों में बलात्कार की कम घटनाएँ पायी गयी।शहरी क्षेत्रों में अधिक जनसंख्याघनत्व, आर्थिक असमानताएँ, गिरोह की गतिविधि (Gang Activity) आदि कारक हिंसक अपराधों को बढ़ावा देते हैं, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में एकजूट समुदाय एवं भाईचारे की भावना के कारण हिंसक अपराध कम होते हैं । कुछ सीमावर्ती क्षेत्रों में कम जनसंख्या घनत्व और स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा सीमा पार अपराधों को रोकने के लिए प्रभावी रोकथाम रणनीतियों को प्राथमिकता देने के कारण अपराध कम होते हैं।

चित्र 2:टोंक जिले में बलात्कार का स्थानिक वितरण (2011-2022)

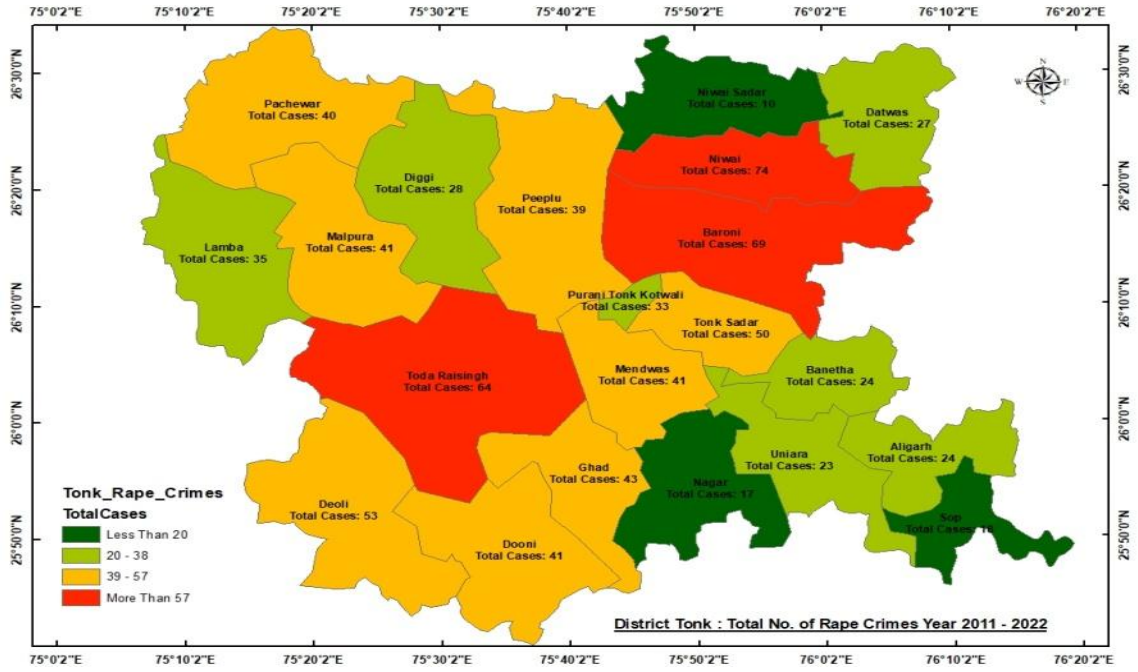

चोट

तालिका संख्या 2 के अनुसार जिले में पिछले 12 वर्षों के दौरान चोट की कुल 13930 घटनाएँ हुयी। चित्र संख्या 3 में थानावार चोट की घटनाओं का स्थानिक वितरण प्रदर्शित किया गया है।

तालिका 2: टोंक जिले में थानावार चोट की घटनाएँ (2011-2022)

S.No.	Police Station	2011	2012	2013	2014	2015	2016	2017	2018	2019	2020	2021	2022	Total
1	Kotwali Tonk	65	52	126	71	52	48	65	62	83	78	28	37	767
2	Purani Tonk	32	31	17	37	38	12	15	31	42	39	34	60	388
3	TONK Sadar	48	27	36	53	40	32	34	37	64	81	71	108	631
4	Mehandwas	38	18	32	41	32	33	30	42	72	75	71	55	539
5	Niwai	69	61	103	194	98	65	34	57	72	76	49	78	956
6	Niwai Sadar	N/A	N/A	N/A	N/A	N/A	N/A	N/A	2	33	41	27	35	138
7	Datwas	9	12	16	19	22	21	11	25	43	25	28	26	257
8	Baroni	61	83	74	74	88	73	68	63	77	83	88	115	947
9	Peeplu	27	34	63	59	39	42	34	37	144	114	84	95	772
10	Uniara	47	31	51	84	49	56	53	43	35	56	30	49	584
11	Aligarh	22	11	38	67	39	21	17	19	67	34	22	51	408
12	Nagarfort	35	28	54	54	27	17	28	24	61	74	60	52	514
13	Banetha	24	17	20	46	31	20	12	9	38	53	20	33	323
14	Sop	14	22	25	3	11	11	18	15	18	32	23	16	208
15	Deoli	48	45	62	78	101	62	52	44	119	115	66	62	854
16	Dooni	45	46	57	74	87	32	47	41	84	83	53	114	763
17	Ghad	49	51	73	45	72	50	45	40	65	81	48	59	678
18	Malpura	57	81	94	63	53	47	23	24	48	57	23	27	597
19	Todaraisingh	123	132	135	165	168	134	111	90	287	298	183	178	2004

20	Lamba	29	23	51	47	48	56	40	46	91	90	57	77	655
21	Diggi	21	39	39	68	69	43	42	38	60	78	44	34	575
22	Pachewar	16	16	38	31	7	44	34	32	37	39	43	35	372
Total		879	860	1204	1373	1171	919	813	821	1640	1702	1152	1396	13930

स्रोत : पुलिस अधीक्षक कार्यालय, टोंक, राजस्थान

थाना क्षेत्र कोटवाली टोंक, निवाई, बरोनी, पीपलू, दूनीवदेवली में चोट की बहुत अधिक (750 से अधिक) जबकि टोंक सदर, मेंहदवास, घाड, मालपुरामें अधिक (501 से 750) घटनाएँ पायी गयी। मध्यम श्रेणी में पुरानी टोंक, दतवास, अलीगढ़, बनेठा व पचेवर थाना क्षेत्र आते है। इन सभी थाना क्षेत्रों के चोट की घटनाएँ 251 से 500 तक दर्ज की गयी। निवाई सदर और सोप थाना क्षेत्र में चोट की घटनाएँ 251 से कम पायी गयी।

इस प्रकार बलात्कार की तरह चोट की घटनाएँ उन थानों में अधिक रही जो शहरी क्षेत्र वाले है अथवा राष्ट्रीय राजमार्ग 12एवं बनास नदी के सहारे स्थित है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित होने के बावजूद दूनी, नगरफोर्ट, उनियारावघाड में चोट की अधिक घटनाएँ पायी गयी जो कि इन क्षेत्रों की कमजोरसामाजिक-आर्थिक स्थिति को प्रदर्शित करता है।

चित्र 3:टोंक जिले में चोट का स्थानिक वितरण (2011-2022)

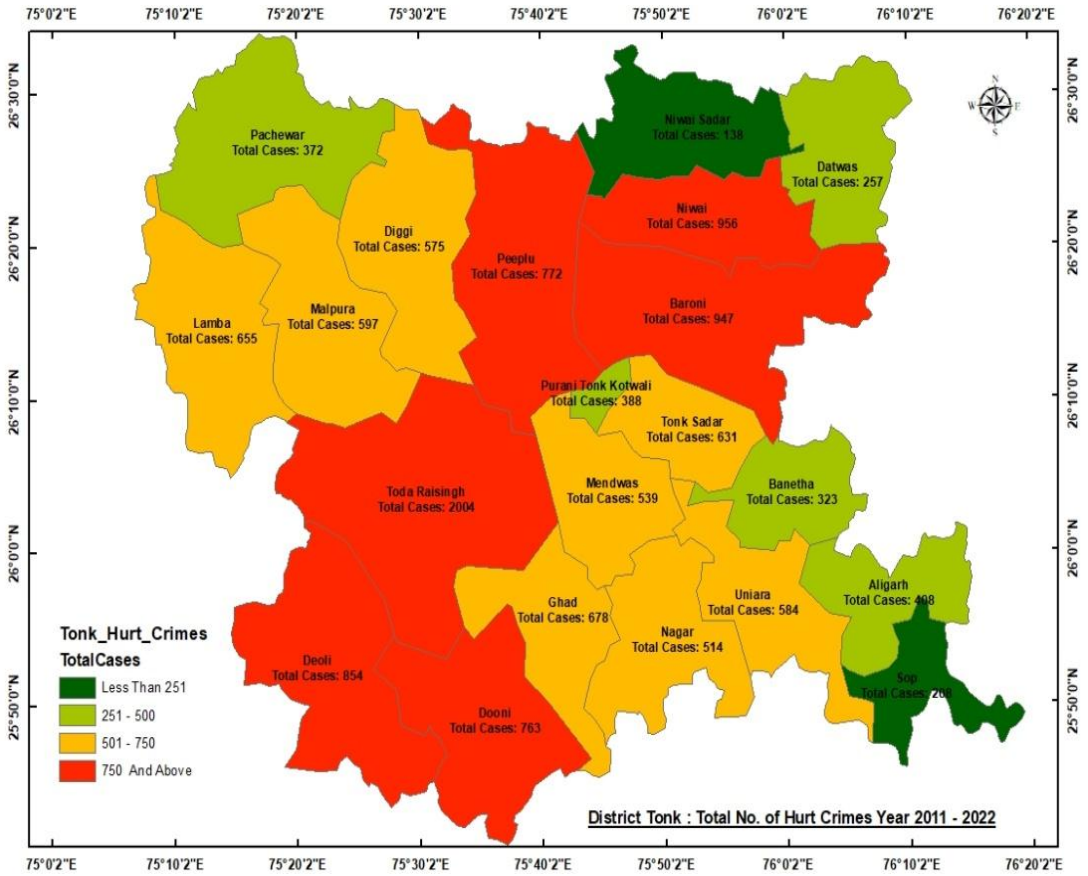

व्यपहरण एवं अपहरण

वर्ष 2011 से 2022 तक टोंक में व्यपहरण एवं अपहरण की कुल 1247 घटनाएँ दर्ज हुयी जिनका थानावार विवरण तालिका संख्या 3 में प्रदर्शित किया गया है।

तालिका 3: टोंक जिले में थानावार व्यपहरण एवं अपहरण की घटनाएँ (2011-2022)

S. No.	Police Station	2011	2012	2013	2014	2015	2016	2017	2018	2019	2020	2021	2022	Total
1	Kotwali Tonk	1	2	6	4	8	6	6	9	18	12	6	3	81
2	Purani Tonk	2	1	5	1	1	1	4	2	7	2	4	2	32
3	TONK Sadar	6	5	1	3	8	3	1	6	6	8	9	15	71
4	Mehandwas	2	2	5	1	1	2	0	6	6	6	5	4	40
5	Niwai	8	5	9	11	7	4	6	9	17	7	10	12	105
6	Niwai Sadar	N/A	N/A	N/A	N/A	N/A	N/A	N/A	0	4	4	4	0	12
7	Datwas	1	3	0	2	6	2	3	2	3	2	3	1	28
8	Baroni	4	7	4	7	5	2	3	1	6	6	6	11	62
9	Peeplu	5	1	5	2	2	2	2	4	11	4	4	2	44
10	Uniara	2	1	4	3	2	3	4	3	3	4	3	6	38
11	Aligarh	3	0	6	3	5	1	1	2	1	5	2	4	33
12	Nagarfort	2	2	4	1	1	1	3	1	10	0	7	8	40
13	Banetha	0	0	0	1	2	0	1	0	2	2	7	1	16
14	Sop	3	0	2	0	0	0	0	0	2	1	1	1	10
15	Deoli	10	11	7	5	3	2	6	13	25	5	23	24	134
16	Dooni	6	2	2	2	6	7	4	4	11	12	15	5	76
17	Ghad	2	8	1	1	4	5	4	7	7	7	12	6	64
18	Malpura	7	3	10	8	6	13	6	6	9	9	6	4	87
19	Todaraisingh	7	10	4	4	5	9	12	8	12	8	15	10	104
20	Lamba	2	2	1	8	1	0	3	6	16	4	6	5	54
21	Diggi	5	3	4	6	2	4	6	8	10	3	5	6	62
22	Pachewar	1	1	1	4	6	6	8	2	12	3	5	5	54
Total		79	69	81	77	81	73	83	99	198	114	158	135	1247

स्रोत : पुलिस अधीक्षक कार्यालय, टोंक, राजस्थान

सर्वाधिक घटनाएँ देवली में पायी गयी। इस थाना क्षेत्र में व्यपहरण एवं अपहरण के 120 से अधिक मामले दर्ज हुये। थाना क्षेत्र कोटवाली टोंक, निवाई, मालपुरा व टोडरायसिंह में व्यपहरण एवं अपहरण का स्तर 61 से 120 तक पाया गया। टोंक सदर, बरोनी, पीपलू, दूनी, घाड, लांबाहरिसिंह, पचेवर व डिग्गीथानाक्षेत्रों में व्यवपहरण एवं अपहरण के मामले 41 से 80 के बीच दर्ज हुये वही सबसे कम मामले पुरानी टोंक, मेहंदवास, निवाई सदर, दतवास, उनियारा, अलीगढ़, नगरफोर्ट, बनेठा और सोपथाना क्षेत्रों मेंपाये गये(देखे चित्र संख्या 4)। इन सभी थाना क्षेत्रों में व्यपहरण एवं अपहरण के 41 से कम मामले दर्ज हुये। देवली एवं असपास के क्षेत्रों में व्यपहरण एवं अपहरण के अधिक मामले पाये गये क्योंकि एकओर राष्ट्रीय राजमार्ग-12 अपराधियों को भागने के लिए अच्छी सुविधा प्रदान करता है वही दूसरी ओर बनास नदी बेसिन की उबड-खाबडस्थलाकृति, प्राकृतिक वनस्पति और राजमहल की पहाडियाँ अपराधियों को छूपने के लिए अवसर प्रदान करती है। जिले के सीमावर्ती

क्षेत्रोंनिवाई सदर, दतवास, उनियारा, अलीगढ़, नगरफोर्ट, बनेठाव सोपमें कम अपराध पाये गये क्योंकि सीमावर्ती क्षेत्र अपराधियों को आसानी से पलायन (Escape)करने का अवसर प्रदान करते हैं,जिसकी वजह से अपराध या तो दर्ज नहीं हो पाते हैं या सम्बंधित थाना क्षेत्र के बाहर अन्य थाना क्षेत्र में दर्ज होते हैं।

चित्र 4:टोंक जिले में व्यपहरण एवं अपहरण का स्थानिक वितरण (2011-2022)

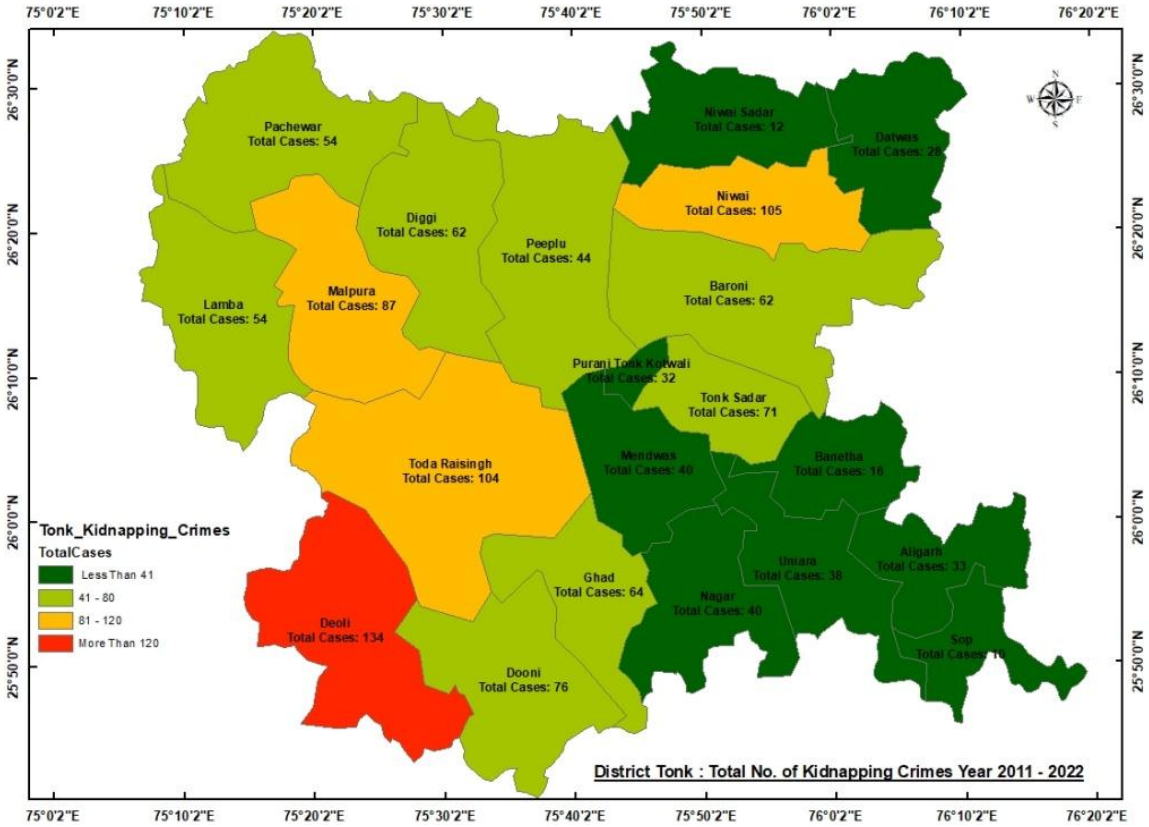

निष्कर्ष

इस शोध के परिणामों के अनुसार हिंसक अपराधों का अधिक सकेन्द्रण शहरी क्षेत्रोंऔरराष्ट्रीय राजमार्ग 12 एवं बनास नदी के सहारे स्थित थानों में पाया गया जबकि ग्रामीण क्षेत्रों एवं सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थित थानों में अपराधों का सकेन्द्रण कम पाया गया।

शहरों में अधिक जनसंख्या घनत्व से आपराधिक मुठभेडों की संभावना बढ़ जाती है, जिससे हिंसा के अधिक अवसर मिलते है। शहरी क्षेत्र में व्यापत आर्थिक असमानताएँ, निराशा और सामाजिक तनाव में योगदान करती है, जो कभी-कभी हिंसक घटनाओं में बदल सकती है। शहरों में गिरोह की गतिविधि (Gang activity), नशीली दवाओं काव्यापार और संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा तथा शहरी जीवन की गुमनामी (Anonymity) भी अपराधों को बढ़ावा देती है। वही दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में एकजुट समुदाय अक्सर आपराधिक व्यवहार कोहतोत्साहित करते हुए साझा जिम्मेदारी और सामाजिक नियंत्रण की भावना को बढ़ावा देते है। इसके अतिरिक्त, ग्रामीण समुदायों में गुमनामी (Anonymity) की सापेक्ष कमी भी अपराध निवारक के रूप में कार्य कर सकती है।

सन्दर्भ

[1]. Beconyte, G. et al. (2021). Spatial distribution of criminal events in Lithuania in 2015-2019. Journal of Maps 17 (1),154-162, doi :10.1080/ 17445647.2021.2004940

[2]. Ceccato, V.(2007). Crime dynamics at Lithuanian borders. European Journal of Criminology, 4 (2), 131-160. https://doi.org/10.1177 /1477370807074845

[3]. Ceccato, V. and Oberwittler, D.(2009). Comparing spatial patterns of robbery: Evidence from a Western and an eastern European city. Cities, 25 (4). 185-196. https://doi.org/10.1016/j.cities.2008.04.002

[4]. Census of India. (2011). District census handbook, Tonk, Rajasthan.

[5]. Office of Superintendent of Police (SP). District Tonk, Rajasthan.

[6]. Dadhich, N., & Jat, R. (2023). Growth of Rape Crime in Rajasthan: A Spatial Analysis. Geographic, 18,37-43. https://www.researchgate.net/puplication/374255794_Growth_of_Rape_Crime_in_Rajasthan_A_Spatial_Analysis

[7]. Jat,R., & Dadhich, N. (2024). Rape Crime in India: A Spatio-temporal Analysis. RESEARCH REVIEW International Journal of Multidisciplinary, 9(2),65-69. https://doi.org/10.31305/rrijm.2024.v09.n02.007

[8]. Ristea, A. and Leitner M. (2020). Urban Crime Mapping and Analysis Using GIS. ISPRS Int. J. Geo-Inf. 9 (9), 511. https://doi.org/1 0.3390/ ijgi9090511